माननीय सदस्यगण,

पंचम् झारखण्ड विधानसभा के नवम् सत्र की आज की बैठक में आप सभी माननीय सदस्यों का स्वागत है। माननीय सदस्यगण, विधि का निर्माण विधायिका का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य है। सभा में विभिन्न विचारधारा के प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आते हैं और उनके बीच मत-मतान्तर होना कोई अस्वाभाविक बात नहीं है। सदन की सार्थकता उन मतान्तर और विचारधारा से सर्वमान्य निष्कर्ष निकालने से ही सिद्ध होती है। इस मतान्तर और मत भिन्नता के बीच एक ऐसी डोर होती है जिससे हम सब जन प्रतिनिधि बंधे होते हैं और वह डोर होती है जन कल्याण की डोर। हम सब जन प्रतिनिधि चाहे किसी भी दल से सम्बद्ध हों, किसी भी विचारधारा से जुड़े हों, राज्य के आमजनों के कल्याण के लिए हम सब प्रतिबद्ध होते हैं।

माननीय सदस्यगण, यह एक ऐतिहासिक अवसर है जब हम जिन दो विधेयकों के विचारण के लिए आज यहाँ एकत्रित हुए हैं, वह न केवल हमारी अस्मिता से जुड़ा है, बल्कि राज्य गठन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है।

मुझे आशा है कि अपने सकारात्मक योगदान से हम सब इस राज्य के साढ़े तीन करोड़ जनता के उज्जवल भविष्य की नींव स्थापित करने में सफल होंगे।